अंक-योजना (Marking Scheme) X Class 2010

संप्रेषणात्मक संस्कृतम् (Communicative Sanskrit) 122 (**Code 52/1**)

वच्चों को उत्तर अलग उत्तरपुस्तिका में लिखने हैं। वच्चे प्रश्नपत्र के किसी भी भाग का उत्तर आगे-पीछे लिख सकते हैं अतः ध्यान से देखकर अंक दिए जाएँ।

कृपया ध्यान दीजिए ः

1। किसी भी प्रश्न के विकल्पात्मक उत्तर भी हो सकते हैं। इस अंक योजना में दिए गए उत्तर निदर्शनात्मक हैं। इनके अतिरिक्त भी संदर्भानुसार सही उत्तर हो सकते हैं, अतः अंक दिए जाएँ।

2। अनुच्छेद अथवा श्लोकों पर आधारित प्रश्न अववोधनात्मक हैं। विद्यार्थी अनुच्छेद में दिए गए शव्दों के स्थान पर पर्यायवाची शव्दों का प्रयोग भी कर सकते हैं इसके लिए भी अंक दिए जाएँ। विद्यार्थी उत्तर देते समय उपयुक्त विभक्ति अथवा वचन का प्रयोग नहीं करते तो अंशतः अंक काटे जाएँ संपूर्ण नहीं।

3। त्रुटिपूर्ण वर्तनी अथवा व्याकरणात्मक प्रयोगों के लिए अनुपाततः अंक काटे जाएँ न कि पूरे अंक।

4। **आंशिक दृष्टि से सही उत्तरों के लिए भी अंशतः अंक अवश्य दिए जाएँ।**

5। खण्ड 'ख' में (रचनात्मकं कार्यम्) के अन्तर्गत 'चित्र वर्णन' व 'अनुच्छेद लेखन' में विकल्प समझा जाए। वच्चों ने जो भाग भी किया हो अंक दिए जाएँ। वाक्य संरचना प्रमुख है न कि वाक्य का सौंदर्य तत्त्व। आंशिक वाक्य-शुद्धता के लिए भी अंक दिए जाएँ।

संकेतात्मक उत्तर व अंक विभाजन ः

खण्डः 'क' (Section-A)(अपठित-अवबोधनम्)

1 अI एकपदेन उत्तरत - दो प्रश्न ।प्रत्येक भाग के लिए ½ अंक। **½×2=1**

(i) **प्रकाशस्य** (ii) **कमलम्**

II पूर्णवाक्येन उत्तरत - दो प्रश्न । प्रत्येक भाग के लिए एक अंक। **1×2=2**

(i) .... **प्रतीक प्रधाना** .... (ii) .... **मातुः**....

III यथानिर्देशम् उत्तरत - चार प्रश्न ।प्रत्येक भाग के लिए ½ अंक। **½×4=2**

(i)**स्मरणीया** (ii)**अनेकानि** (iii)**मन्यते** (iv) **प्रकाशस्य**

आI एकपदेन उत्तरत - दो प्रश्न ।प्रत्येक के लिए 1 अंक। **1×2=2**

(i) **द्राक्षालतां** (ii) **न**

II पूर्णवाक्येन उत्तरत - दो प्रश्न ।प्रत्येक के लिए दो अंक। **2×2=4**

(i) .... **उपवने** ....(ii) .... **पुनः पुनः /उपरि-उपरि** ....

III यथानिर्देशम् उत्तरत - चार प्रश्न ।प्रत्येक के लिए ½ अंक। **½×4=2**

(i)**उपवनम्** (ii) **उपरि-उपरि** (iii) **सः /जम्बूकः** (iv) **अनन्तरं**

IV शीर्षकं लिखत **'अम्लानि द्राक्षाफलानि'** अथवा अन्य उपयुक्त शीर्षक। **2**

शीर्षक की शब्द सीमा निर्धारित नहीं है ।भाव स्पष्ट होना अनिवार्य है। शीर्षक एक लघु वाक्य में भी हो सकता है।

खण्डः 'ख' (Section-B)(रचनात्मकं कार्यम्)

2 पत्रलेखनम् - दस रिक्तस्थान । प्रत्येकभाग के लिए ½ अंक। $\frac{1}{2}\times10=5$

(i)श्रीनगरतः (ii)प्रियपुत्रि! (iii)शुभाशिषः (iv)कुशलिनः (v)स्मरति

(vi) ग्रीष्मावकाशः (vii)विश्वसिमि (viii) स्वास्थ्यम् (ix)पत्रम् (x) पिता

3 रिक्तस्थान पूर्ति द्वारा संवाद-लेखनम् -5 रिक्तस्थान। प्रत्येकभाग के लिए 1 अंक। पूरा वाक्य न लिखने पर भी अंक दिए जाएँ।

(i) अहं किमपि न.....(ii) दूरतः समागतो....(iii) गत्वा सेवफलं .....

(iv) अतीव मधुरं ..... (v) नहि पर्याप्तं ..... $1\times5=5$

4 चित्रवर्णनम् अथवा अनुच्छेदलेखनम् $2\times5=10$

वच्चों से सरल,संक्षिप्त वाक्य अपेक्षित है। केवल वाक्य की शुद्धता देखी जाए। इस प्रश्न का प्रमुख उद्देश्य वाक्य रचना है। **वाक्य लघु अथवा दीर्घ हो यह महत्वपूर्ण नहीं । वाक्य आलंकारिक है या नहीं-यह भी महत्वपूर्ण नहीं** ।व्याकरणिक दृष्टि से शुद्ध होने पर पूर्ण अंक दिए जाएँ । **मंजूषा में दिए गए शब्द सहायतार्थ हैं, बच्चे शब्द चुने अथवा नहीं -आवश्यक नहीं। वे स्वयं शब्दों का प्रयोग कर वाक्य -निर्माण कर सकते हैं।** वच्चे स्वयं भी मंजूषा में दिए गए शब्दों की विभक्तियाँ आदि भी वदल सकते हैं, अंक दिए जाएँ। त्रुटियों के अंक अंशतः काटे जाएँ। इस प्रश्न के 10 अंक हैं। प्रत्येक वाक्य के लिए 2 अंक हैं।

अथवा (OR) अनुच्छेदलेखनम्

यह विकल्प **सबके लिए** माना जाए। वच्चे स्वयं भी मंजूषा में दिए गए शब्दों की विभक्तियाँ आदि वदल सकते हैं। अंक दिए जाएँ। इस प्रश्न के 10 अंक हैं। पत्येक वाक्य के लिए 2 अंक हैं।

खण्डः 'ग' (Section-C)(अनुप्रयुक्त-व्याकरणम्)

5 संधि-संधिच्छेद -आंशिक दृष्टि से सही उत्तर के लिए आंशिक अंक अवश्य दिए जाएँ। $1\times3=3$

(i)धनागमनम् (ii) सत् /सद् +मित्रं (iii) गजश्च

6 समास - इस प्रश्न का मूल उद्देश्य 'समस्तपद' अथवा 'विग्रह' की समझ है। प्रत्येक के लिए एक अंक है।

आंशिक सही उत्तर के लिए भी आंशिक अंक दिए जाएँ। $1\times4=4$

(i) वनक्षेत्रे (ii) क्रोधलोभौ (iii) चित्रेण/चित्राभ्यां/चित्रैः सहितम् (iv) दश आननानि यस्य सः

7 प्रकृति -प्रत्यय - संवंधी इस प्रश्न में वच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं। अतः पूर्ण अंक दिए जाएँ। उत्तर विकल्पात्मक हो सकते हैं। **आंशिक सही** उत्तर के लिए आंशिक अंक दिए जाएँ। प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक। केवल प्रत्यय जोड़ने पर भी अंक दिए जाएँ। $1\times5=5$

(i) पठितव्यम् (ii) धावन् (iii) शक्तिमान् (iv) मानवता (v) सरला

8 अव्यय - कुछ वाक्यों में अधिक अव्यय विकल्प रूप में पयुक्त हो सकते हैं। अतः अंक दें। प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक।

(i) श्वः /यथा (ii) यथा (iii) मा (iv) ह्यः (v) कदा /ह्यः $1\times5=5$

9 इस प्रश्न में पत्येक रिक्तस्थान के लिए एक अंक है। भावानुसार सही होने पर अंक दिए जाएँ। $1\times3=3$

(i)क्रियते (ii) पुस्तकं (iii) अहम्

10 समय-संबंधी इस प्रश्न में वर्तनी अथवा समस्तपद की ओर ध्यान न दिया जाए। आंशिक सही होने पर भी आंशिक अंक दिए जाएँ। $1\times4=4$

(i) **सार्ध-दश** (ii) **पादोन एकादश** (iii)**सपाद एकादश** (iv) **चतुर्**

यदि बच्चे बादने शब्द का प्रयोग नही करते हैं तो इस ओर ध्यान नहीं दिया जाए।

11 संख्या-संबंधी इस प्रश्न में वर्तनी अथवा समस्तपद की ओर ध्यान न दिया जाए। आंशिक सही होने पर भी आंशिक अंक दिए जाएँ। प्रत्येक के लिए ½ अंक। $\frac{1}{2}\times4=2$

(i) **द्वौ** (ii) **एका** (iii) **षष्टिः** (iv) **पञ्च**

12 **वाक्य-संबंधी** इस प्रश्न में बच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं। पूर्ण अंक दिए जाएँ । आंशिक सही होने पर भी आंशिक अंक दिए जाएँ। वाक्य की शुद्धता प्रमुख है लकार आदि नहीं। $1\times4=4$

(i) **पठतः** (ii) **ताः** (iii) **लिखामि** (iv) **अगच्छत्**

खण्डः 'घ' (Section-D)(पठित-अवबोधनम्)

13 इस प्रश्न का मूल उद्देश्य **अवबोधन** परीक्षण है । बच्चे **पर्यायवाची** शब्दों का प्रयोग कर सकते हैं। पूर्ण अंक दिए जाएँ। आंशिक सही होने पर भी आंशिक अंक दिए जाएँ।

(अ) गद्यांशः

I) एकपदेन उत्तरत - दो प्रश्न । प्रत्येक के लिए ½ अंक। $\frac{1}{2}\times2=1$

(i) **प्रच्छन्नभाग्यस्य** (ii) **सुवर्णपूरितः**

II) पूर्णवाक्येन उत्तरत - एक प्रश्न के लिए दो अंक। 2

(i) .... **नाथ! विरम अस्माद् लोभात्** .....

III) यथानिर्देशम् उत्तरत - चार प्रश्न । प्रत्येक के लिए ½ अंक। $\frac{1}{2}\times4=2$

(i) **विचित्रः** (ii) **विद्यते** (iii) **परद्रव्ये** (iv) **सा/पत्नी**

(आ) पद्यांशः

I) एकपदेन उत्तरत - दो प्रश्न । प्रत्येक के लिए 1 अंक। $1\times2=2$

(i) **पुरुषं** (ii) **शीतला**

II) पूर्णवाक्येन उत्तरत - एक प्रश्न के लिए एक अंक। 2

.... **प्रह्लादयति पुरुषं** ...

III) यथानिर्देशम् उत्तरत - चार प्रश्न । प्रत्येक के लिए ½ अंक। $\frac{1}{2}\times4=2$

(i) **शीतला** (ii) **प्रह्लादयति** (iii) वाणी (iv)शीतलसलिलं

(इ) नाट्यांशः

I) एकपदेन उत्तरत - चार प्रश्न । प्रत्येक के लिए ½ अंक। ½×2=1

(i)**मयूरः** (ii) **प्रकृतेः**

II) पूर्णवाक्येन उत्तरत - एक प्रश्न के लिए दो अंक। 2

(i).....**केकारवं**.....**कोकिलः** ....

III) यथानिर्देशम् उत्तरत - चार प्रश्न । प्रत्येक के लिए ½ अंक। ½×4=2

(i)**अपूर्वः** (ii)**जानाति** (iii)**मयूराय** (iv)**विधात्रा**

14 **भाव-संबंधी** इस प्रश्न में वच्चे श्लोक में से उत्तर चुन सकते हैं अथवा **पर्यायवाची** शब्दों का प्रयोग कर सकते हैं। पूर्ण अंक दिए जाएँ। वच्चे केवल उत्तर लिख सकते हें। 1×6=6

I (i)**सुखानि** अथवा मिलता-जुलता शब्द (ii)**परेभ्यः** अथवा मिलता-जुलता शब्द (iii)**कर्म** अथवा मिलता-जुलता शब्द

II (i)**प्राणिगणः** अथवा मिलता-जुलता शब्द (ii)**वशे** अथवा मिलता-जुलता शब्द (iii)**स्थातव्यं** अथवा मिलता-जुलता शब्द

15 **अन्वय-संबंधी** इस प्रश्न में वच्चे श्लोक में से उत्तर चुन सकते हैं । वच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं। ½×6=3

I (i)**हितं** (ii) **विपरीतोपसेविनः** (iii) **रिपवः**

II (i) **तात** (ii) **मानुषेषु** (iii) **प्रयोक्तव्यं**

16 **प्रश्ननिर्माण -संबंधी** इस प्रश्न में वच्चे केवल प्रश्नवाचक शब्द लिख सकते हैं। व्याकरण वर्तनी आदि की दृष्टि से अनुपाततः अंक काटे जाएँ न कि पूर्ण। इस प्रश्न में अववोधन प्रमुख ह। हो सकते हैं। 1×4=4

(i)**कस्य** (ii)**कति** (iii)**कस्मात्** (iv)**कान्** अन्य सार्थक शब्द भी हो सकते हैं।

17 **कथाक्रम -संबंधी** इस प्रश्न के उत्तर में वाक्यों में तार्किक संवंध हो। प्रश्न वोधात्मक हैं स्मृति आधारित नहीं। केवल वाक्यक्रम लिखने पर भी अंक दिए जाएँ। वर्तनी आदि दष्टव्य नहीं। ध्यान रखें नीचे दिया गया क्रम केवल निदेशात्मक है । ½×8=4

(ii) ⟶ (vi) ⟶ (iii) ⟶ (vii)

(viii) ⟶ (v) ⟶ (iv) ⟶ (i)

यह सामान्य क्रम है। अन्य तार्किक क्रम होने पर भी अंक दिए जाएँ। आंशिक उत्तर के लिए भी अंक दिए जाएँ।

18 **शब्दार्थ -संबंधी** इस प्रश्न में वच्चे केवल क्रमसंख्या लिख सकते हैं अंक दिए जाएँ। वर्तनी आदि की दृष्टि से अंक अंशतः ही काटे जाएँ। प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक 1×3=3

(i) **श्रवणमधुरता**

(ii) **सज्जनानां मित्रता /अन्येभ्यः सुखदानम्**

(iii)**साहसम्**

*****